हारे का सहारा | by Shivam Shukla

जीते का सहारा संसार
रे संसार.....
हारे का सहारा श्याम धणी
हारे का सहारा श्याम धणी
हारे का सहारा श्याम धणी
जीते का सहारा.....

कलयुग का देव निराला है
गिरते को इसने संभाला है
भरता सबके भण्डार ...भण्डार
निर्धन का खज़ाना श्याम धणी
जीते का सहारा.....

करते सुनवाई पल भर में
तभी पूजा होती घर घर में
न श्याम सा लखदातार
डूबे का किनारा श्याम धणी
जीते का सहारा.....

भक्तों के भाग जगा डाले
मस्ती में सबको नचा डाले
गौरव पे लुटाते प्यार ...प्यार
है प्यार की मूरत श्याम धणी
जीते का सहारा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-shivam-shukla-2/